CBSE CLASS X

Hindi Course B (085)

QUESTION PAPER

From previous CBSE Board Exam questions

Code: VXZSR1 **Questions: 19** **Maximum Marks: 55** **Generated: 2026-06-15 13:05**

SELECTIONS USED

Source	Previous-year board
Subject	Hindi
Lessons	सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस
Year	2022-2026
Questions selected	19

Composition — Types: 12 Short · 5 reading_comprehension · 2 MCQ

Q1. **[3]**

'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर लिखिए कि कवि को ऐसा क्यों लगता है कि जैसे अचानक पर्वत पंख लगाकर उड़ गया हो ?

Previously asked in: 2023 4/6/1 Q12 (ग)

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3.1 बादल और वर्षा का दृश्य | 4.3.2 पर्वतीय वातावरण | 4.4 भावार्थ और व्याख्या

Q2. **[2]**

बादलों से पर्वत के छिप जाने पर कवि की कल्पना, 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2025 4/6/1 Q10 (II)

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3.1 बादल और वर्षा का दृश्य | 4.3.2 पर्वतीय वातावरण | 4.4 भावार्थ और व्याख्या

Q3. **[1]**

पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प को चुनकर लिखिए : सुमित्रानंदन पंत ने पहाड़ पर झरनों की किस रूप में कल्पना की है ?

(A) दूध की छोटी नदियों के रूप में
(B) चाँदनी में फूलों की बरसात के रूप में
(C) मोतियों की लड़ियों के रूप में
(D) सोनजूही की बेल के रूप में

Previously asked in: 2024 4/5/1 Q8 (ii)

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3 पर्वतीय वर्षा का चित्रण | 4.3.1 बादल और वर्षा का दृश्य

Q4. **[2]**

'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर 'था इंद्र खेलता इंद्रजाल' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2026 4/5/1 Q10 (ii)

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3.1 बादल और वर्षा का दृश्य | 4.4 भावार्थ और व्याख्या

Q5. **[2]**

'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर लिखिए कि कवि ने वृक्षों को पर्वतों की उच्चाकांक्षाएँ क्यों कहा है ?

Previously asked in: 2022 4/4/1 Q1 (ख)

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3.2 पर्वतीय वातावरण | 4.3.3 प्रकृति की सुंदरता | वृक्षों का प्रतीकात्मक चित्रण – पर्वतों की उच्चाकांक्षाएँ

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q6. **[3]**

'हैं झाँक रहे नीरव नभ पर' 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता से ली गई पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2023 4/1/1 Q12 (ख)

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3.2 पर्वतीय वातावरण | 4.3.3 प्रकृति की सुंदरता | 4.4 भावार्थ और व्याख्या

Q7. **[3]**

'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में वर्णित पर्वतीय प्रदेश की सुंदरता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

Previously asked in: 2024 4/3/1 Q12 (क)

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3.1 बादल और वर्षा का दृश्य | 4.3.2 पर्वतीय वातावरण | 4.3.3 प्रकृति की सुंदरता

Q8. **[2]**

'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में – 'पल-पल परिवर्तित प्रकृति वेश' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

Previously asked in: 2025 4/5/1 Q10 (III)

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3 पर्वतीय वर्षा का चित्रण | 4.3.3 प्रकृति की सुंदरता | 4.4 भावार्थ और व्याख्या

Q9. **[2]**

'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि ने पर्वत की विशालता को किस प्रकार चित्रित किया है? स्पष्ट कीजिए।

Previously asked in: 2025 4/4/1 Q10 (iii)

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3.2 पर्वतीय वातावरण | 4.3.3 प्रकृति की सुंदरता | 4.4 भावार्थ और व्याख्या

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q10. **[5]**

> उड़ गया अचानक लो, भूधर
> फड़का अपार पारद के पर!
> रव-शेष रह गए हैं निर्झर!
> है टूट पड़ा भू पर अंबर!
> धँस गए धरा में सभय शाल!
> उठ रहा धुआँ, जल गया ताल!
> – यों जलद-यान में विचर-विचर
> था इंद्र खेलता इंद्रजाल।

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) 'भूधर' के उड़ने से क्या अभिप्राय है ? [1]

(A) पर्वतों के पंख लगना
(B) पर्वतों का अदृश्य होना
(C) पर्वतों का बादलों के पार जाना
(D) पर्वतों का आकाश की ऊँचाई को छूना

(ii) 'भूधर' किसके पंख लगाकर उड़ गए ? [1]

(A) बादलों के
(B) कल्पना के
(C) बारिश के
(D) कोहरे के

(iii) 'रव-शेष रह गए हैं निर्झर' – का आशय है : [1]

(A) केवल झरने दिखाई दे रहे हैं
(B) केवल झरनों की ध्वनि शेष रह गई है
(C) वृक्षों का अस्तित्व नष्ट हो गया है
(D) पर्वतों का अस्तित्व नष्ट हो गया है

(iv) 'है टूट पड़ा भू पर अंबर' – पंक्ति में अंबर के टूटने से क्या अभिप्राय है ? [1]

(A) आकाश का धरती पर आक्रमण करना
(B) आकाश द्वारा धरती पर मूसलाधार वर्षा करना
(C) आकाश द्वारा धरती पर बिजली गिराना
(D) आकाश का टूट कर धरती पर आ गिरना

(v) काव्यांश में इंद्रजाल किसे कहा गया है ? [1]

(A) पावस ऋतु में प्रकृति के पल-पल परिवर्तित रूप को
(B) इंद्र के बादलों रूपी यान पर विचरण करने को
(C) शाल के वृक्षों के गहरी खाई में छिप जाने को
(D) तालाबों के चारों तरफ उड़ते घने धुएँ को

Previously asked in: 2025 4/3/1 Q9

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3 पर्वतीय वर्षा का चित्रण | 4.3.1 बादल और वर्षा का दृश्य | 4.3.2 पर्वतीय वातावरण | 4.3.3 प्रकृति की सुंदरता

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q11. **[5]**

> गिरि का गौरव गाकर झर-झर
> मद में नस-नस उत्तेजित कर
> मोती की लड़ियों-से सुन्दर
> झरते हैं झाग भरे निर्झर !
> गिरिवर के उर से उठ-उठ कर
> उच्चाकांक्षाओं से तरुवर
> हैं झाँक रहे नीरव नभ पर
> अनिमेष, अटल, कुछ चिंता पर ।

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए :

(i) झरने पर्वतों के यश का गुणगान क्यों कर रहे हैं ? [1]

(A) प्रसन्नता अभिव्यक्त करने के लिए
(B) उनका आभार प्रकट करने के लिए
(C) पर्वतों की महानता दर्शाने के लिए
(D) जोश, उमंग, उत्साह प्रकट करने के लिए

(ii) 'मद में नस-नस उत्तेजित कर' – पंक्ति के संदर्भ में बताइए, किसकी नस-नस मद में उत्तेजित होने की बात कही जा रही है ? [1]

(A) कवि की
(B) पर्वतों की
(C) झरनों की
(D) वृक्षों की

(iii) पर्वतों पर लगे वृक्ष किसे छूना चाहते हैं ? [1]

(A) आकाश की ऊँचाई को
(B) पर्वतों की ऊँची चोटी को
(C) पर्वतों की गहराई को
(D) झरनों के सौंदर्य को

(iv) पर्वत शिखरों पर लगे वृक्षों के विषय में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ? I. वृक्ष पर्वतों के हृदय में उठने वाली उच्चाकांक्षाओं के मूर्त रूप हैं । II. वृक्ष साधकों की भाँति गंभीर चिंतन में लीन हैं । III. वृक्ष अनहोनी की आशंका से आकाश की ओर झाँक रहे हैं । IV. वृक्ष वर्षा की आशा से आकाश की ओर ताक रहे हैं । [1]

(A) केवल I
(B) केवल III
(C) I और II दोनों
(D) III और IV दोनों

(v) काव्यांश के संदर्भ में 'अनिमेष' शब्द का अर्थ निम्नलिखित में से नहीं है : [1]

(A) एकटक
(B) निरंतर
(C) स्थिर दृष्टि
(D) निर्लिप्त

Previously asked in: 2025 4/2/1 Q9

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3.1 बादल और वर्षा का दृश्य | 4.3.2 पर्वतीय वातावरण | 4.3.3 प्रकृति की सुंदरता | 4.4 भावार्थ और व्याख्या

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q12. **[5]**

> पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
> पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश ।
>
> मेखलाकार पर्वत अपार
> अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़,
> अवलोक रहा है बार-बार
> नीचे जल में निज महाकार,
> – जिसके चरणों में पला ताल
> दर्पण-सा फैला है विशाल !

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए :

(i) 'पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश' पंक्ति का अभिप्राय है : [1]

A प्रकृति अपनी वेशभूषा बार-बार बदल रही है
B पर्वतों पर बादल बार-बार रूप बदल रहे हैं
C प्रकृति का रूप सौंदर्य पल-पल नए रूप धारण कर रहा है
D बादल बार-बार प्रकृति को नया रूप प्रदान कर रहे हैं

(ii) पर्वतों की आँखें किसे कहा गया है ? [1]

A दर्पण को
B ताल को
C पुष्पों को
D मेखला को

(iii) तालाब की समानता दर्पण से किस आधार पर की गई है ? [1]

A रूपाकार
B चमक
C पारदर्शिता
D स्वच्छता

(iv) पर्वत ताल में क्या देख रहा है ? [1]

A आकाश का प्रतिबिंब
B रंग-बिरंगे पुष्प
C अपना विशाल आकार
D बादलों का सौंदर्य

(v) प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने किसका वर्णन किया है ? [1]

A वर्षा ऋतु में पर्वतीय प्रदेश की अलौकिक सुषमा
B वर्षा ऋतु में रंग-बिरंगे पुष्पों की सुंदरता
C पर्वतीय प्रदेशों में पाई जाने वाली वनस्पति
D पर्वतों की तलहटी में पलने वाले तालाब

Previously asked in: 2025 4/1/1 Q9

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3 पर्वतीय वर्षा का चित्रण | 4.3.1 बादल और वर्षा का दृश्य | 4.3.2 पर्वतीय वातावरण | 4.3.3 प्रकृति की सुंदरता | 4.4 भावार्थ और व्याख्या

Q13. **[2]**

'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर 'अवलोक रहा है बार-बार' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2026 4/3/1 Q10 (i)

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3.2 पर्वतीय वातावरण | 4.3.3 प्रकृति की सुंदरता | 4.4 भावार्थ और व्याख्या

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q14. **[2]**

'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि ने प्रकृति को मानवीय क्रियाकलाप करते हुए दिखाया है, प्रकृति के किन्हीं दो क्रियाकलापों का उल्लेख कीजिए।

Previously asked in: 2026 4/2/1 Q8 (i)

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3.3 प्रकृति की सुंदरता | 4.4 भावार्थ और व्याख्या | मानवीकरण अलंकार (Personification in Nature)

Q15. **[2]**

'पावस ऋतु' किसे कहते हैं ? इस ऋतु में पर्वत पर कैसा दृश्य होता है ? 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर लिखिए ।

Previously asked in: 2022 4/1/1 Q1 (ख)

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3 पर्वतीय वर्षा का चित्रण | 4.3.1 बादल और वर्षा का दृश्य | 4.3.2 पर्वतीय वातावरण | 4.3.3 प्रकृति की सुंदरता

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q16. **[5]**

> उड़ गया, अचानक लो, भूधर
> फड़का अपार पारद के पर !
> रव-शेष रह गए हैं निर्झर !
> है टूट पड़ा भू पर अंबर !
> धँस गए धरा में सभय शाल !
> उठ रहा धुआँ, जल गया ताल !
> – यों जलद-यान में विचर-विचर
> था इंद्र खेलता इंद्रजाल !

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) 'भूधर के उड़ जाने' का आशय :

(a) उसके पंछी समान उड़ने से है
(b) उसके अदृश्य हो जाने से है
(c) उसके बादलों के साथ चले जाने से है
(d) उसके बादलों के पंख लगाने से है

(ii) 'है टूट पड़ा भू पर अंबर' — पंक्ति में क्या कल्पना की गई है ?

(a) अंबर ने धरती पर बाणों की वर्षा शुरू कर दी
(b) अंबर ने धरती पर मूसलाधार वर्षा शुरू कर दी
(c) अंबर ने बादलों रूपी सेना द्वारा भूमि पर आक्रमण कर दिया
(d) अंबर बादलों की गड़गड़ाहट के साथ धरती पर गिर पड़ा

(iii) शाल के वृक्षों के भयभीत होने का कारण इनमें से क्या नहीं है ?

(a) आसमान से मूसलाधार वर्षा
(b) तालाबों का जलना
(c) चारों तरफ उठता धुआँ
(d) बादलों की गड़गड़ाहट

(iv) प्रस्तुत काव्यांश में किस ऋतु में कहाँ के सौंदर्य का वर्णन किया गया है ?

(a) वर्षा ऋतु में मैदानी भागों के सौंदर्य का
(b) वर्षा ऋतु में पर्वतीय प्रदेश के सौंदर्य का
(c) वसंत ऋतु में तटीय प्रदेश के सौंदर्य का
(d) वसंत ऋतु में पर्वतीय प्रदेश के सौंदर्य का

(v) प्रस्तुत काव्यांश में किसका मानवीकरण किया गया है ?

(a) पर्वतों का
(b) अंबर का
(c) वृक्षों का
(d) प्रकृति का

Previously asked in: 2023 4/5/1 Q7

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3.1 बादल और वर्षा का दृश्य | 4.3.2 पर्वतीय वातावरण | 4.3.3 प्रकृति की सुंदरता | 4.4 भावार्थ और व्याख्या

Q17. **[3]**

'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर लिखिए कि झरने पर्वत का गुणगान क्यों और कैसे कर रहे हैं ।

Previously asked in: 2023 4/2/1 Q12 (ग)

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3 पर्वतीय वर्षा का चित्रण | 4.3.1 बादल और वर्षा का दृश्य | 4.3.3 प्रकृति की सुंदरता

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q18. **[1]**

पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प को चुनकर लिखिए : "जिसके चरणों में पला ताल दर्पण-सा फैला है विशाल" — इन पंक्तियों में कवि ने ताल को किस रूप में चित्रित किया है ?

(A) पर्वत की परछाई के रूप में
(B) विशाल जल-स्रोत के रूप में
(C) विशाल दर्पण के रूप में
(D) छत्रछाया में पलने वाले के रूप में

Previously asked in: 2024 4/4/1 Q8 (ii)

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3.3 प्रकृति की सुंदरता | 4.4 भावार्थ और व्याख्या

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q19. **[5]**

> गिरि का गौरव गाकर झर-झर
> मद में नस-नस उत्तेजित कर
> मोती की लड़ियों-से सुंदर
> झरते हैं झाग भरे निर्झर!
> गिरिवर के उर से उठ-उठकर
> उच्चाकांक्षाओं से तरुवर
> हैं झाँक रहे नीरव-नभ पर
> अनिमेष, अटल, कुछ चिंतापर ।

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए :

(i) 'अनिमेष' का अर्थ नहीं है [1]

(A) एकटक
(B) लगातार
(C) निर्निमेष
(D) झाँकना

(ii) पद्यांश में किसकी तुलना मोती की लड़ियों से की गई है ? [1]

(A) महाकार पर्वत की
(B) झाग भरे झरने की
(C) निर्मल ताल की
(D) विशाल वृक्ष की

(iii) 'नीरव-नभ' का आशय है [1]

(A) बिना बादल का आकाश
(B) बादलों से भरा आकाश
(C) बादल रहित शांत आकाश
(D) तेज़ हवा से युक्त आकाश

(iv) पेड़ 'चिंतापर' क्यों दिखाई दे रहे हैं ? [1]

(A) वे आकाश जैसी ऊँचाई पाने के लिए विचारमग्न हैं ।
(B) पर्वतों की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर पा रहे हैं ।
(C) पर्वतों से झरने वाले झरनों की गति से भयभीत हैं ।
(D) नीरव-नभ का रूप उन्हें आश्चर्यचकित कर रहा है ।

(v) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों के सही उत्तर चुनकर लिखिए : कथन : एकाग्रता, अटल विश्वास और लक्ष्य पर दृष्टि सफल होने के सहायक तत्त्व हैं । कारण : जीवन में सफलता बिना प्रयास के भाग्य से स्वयं ही प्राप्त हो जाती है । [1]

(A) कथन और कारण दोनों गलत हैं ।
(B) कथन और कारण दोनों सही हैं ।
(C) कथन गलत है, परंतु कारण सही है ।
(D) कथन सही है, किंतु कारण गलत है ।

Previously asked in: 2026 4/4/1 Q9

◆ सुमित्रानंदन पंत – पर्वत प्रदेश में पावस | 4.3 पर्वतीय वर्षा का चित्रण | 4.3.1 बादल और वर्षा का दृश्य | 4.3.2 पर्वतीय वातावरण | 4.3.3 प्रकृति की सुंदरता | 4.4 भावार्थ और व्याख्या

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories